वर्ष 23 अंक 297
पृष्ठ 20
बरेली
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 2.50

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

पाक ने रिश्वत लेकर उत्तर कोरिया को बेची परमाणु बम तकनीक : खान 20 एशियाई एथलेटिक्स में मयूखा ने दिलाया पहला स्वर्ण

Dated - 18/05/2012

समस्याएं दूर करने की दिशा में हों शोध कार्य

- एसआरएमएस के इन्सपायर इन्टर्नशिप के तीसरे दिन विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

छात्रों ने तैयार किए माडल। जागरण

बरेली, जागरण संवाददाता : पद्मश्री से सम्मानित डा. सुमन सहाय ने कहा कि अपने देश के लिए आज सही दिशा में अच्छे शोध की बेहद जरूरत है। शोध उस क्षेत्र में होने चाहिए जो सीधे हमारी आज की समस्याओं को सुलझाने में कारगर हो सकें। उद्योग की दृष्टि से शोध नहीं किए जाने चाहिए।

जीन कैम्पियन की विशेषज्ञ एवं दिल्ली की एक एनजीओ से जुड़ी डा. सहाय श्री राममूर्ति स्मारक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे पांच दिवसीय इन्सपायर इन्टर्नशिप-2012 कार्यक्रम में बतौर मेंटर शामिल हुईं। गुरुवार को कार्यक्रम का तीसरा दिन था। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को जेनेटिक इंजीनियरिंग की विभिन्न तकनीकियों से अवगत कराया। कहा कि इस क्षेत्र में शोध की बेहद जरूरत है लेकिन यह शोध समाज के लिए उपयोगी होने चाहिए क्योंकि शोध में काफी धन व्यय होता है। उन्होंने कहा कि जीन मोडिफिकेशन से विज्ञान के क्षेत्र में भले ही आज नए आयाम खुल रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर यह शोध हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं। इसीलिए जीन मोडिफिकेशन को सही दिशा में प्रयोग की जरूरत है अन्यथा विपरीत परिणाम भी सामने आ सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप कल के वैज्ञानिक हैं और यदि बॉयो-टेक्नोलॉजी के जरिए आप कोई अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर लेते हैं तो निश्चित ही शोध के लिए आपका योगदान देश और समाज के लिए अविस्मरणीय होगा।

कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू चिल्ड्रन साइंस प्रदर्शनी में सीनियर रिसोर्स पर्सन डा. लक्ष्मीकांत शर्मा ने विभिन्न उदाहरणों के जरिए विज्ञान के उपयोगों पर प्रकाश डाला और शोध के आवश्यक तत्व बताते हुए प्रायोगिक उदाहरणों पर जोर दिया। उन्होंने कैपिस्टर, रजिस्टर एवं एलईडी को जोड़कर छात्रों को दिखाया कि किस प्रकार कैपिस्टर एकत्रित चार्ज से एलईडी जल जाती है। उन्होंने वाटर ऑफ इंडिया के पीछे छिपे लॉजिक भी बताए।

कार्यक्रम में संस्थान के डीन डा. प्रभाकर गुप्ता, रतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, ट्रस्ट प्रशासक सुभाष मेहरा, डा. मुस्तकीम अब्दुल्ला व डा. संदीप मौजूद रहे। संचालन साक्षी पांडे ने किया।